পাঠ
पाठ 1

চুবুৰীয়াৰ ঘৰত

জৈন : নমস্কাৰ, ডাঙৰীয়া। মই
जॅइन : नमस्कार, दाङओरिया। मोइ

সুকুমাৰ জৈন।
सुकुमार जॅइन।

চৌধুৰী : নমস্কাৰ। মই মহেন্দ্ৰ চৌধুৰী।
सौधुरी : नमस्कार। मोइ महेन्द्र सौधुरी।

মই এই গাঁৱৰ পোষ্ট-মাষ্টৰ।
मोइ एइ गाँवर पोस्त-मास्टर।

আপুনি ?
आपुनि?

জৈন : মই ইয়াৰ নতুন কৃষি
जॅइन : मोइ इयार नतुन कृसि़

বিষয়া।
विस़या।

চৌধুৰী : আহক, ভিতৰলৈ আহক।
सौधुरी : आहक, भितरलोइ आहक।

জৈন : ধন্যবাদ।
जॅइन : धन्यबाद।

(চাহ লৈ বিমলা চৌধুৰীৰ প্ৰৱেশ)

पड़ोसी के घर में

जैन : नमस्कार, श्रीमानजी। मैं सुकुमार जैन हूँ।

चौधुरी : नमस्कार, मैं महेन्द्र चौधुरी हूँ। मैं इस गाँव का पोस्ट-मास्टर हूँ। (और) आप?

जैन : मैं यहाँ का नया कृषि-विकास अधिकारी हूँ।

चौधुरी : आइए, अंदर आइए।

जैन : धन्यवाद।

(चाय लेकर श्रीमती विमला चौधुरी का प्रवेश)

চৌধুৰী : এওঁ মোৰ পৰিবাৰ বিমলা
सौधुरी : एऔँ मोर परिबार बिमला
চৌধুৰী। এম্প মোৰ ছোৱালী
सौधुरी। एइ मोर सोआली
বুলি। স্প মোৰ সৰু ভাম্প
बुलि। इ मोर स़रु
ভাই
ৰঞ্জিৎ। এম্পখনেম্প মোৰ
সৰু
रंजित्। एइखनेइ मोर स़रु
সংসাৰ।
स़ंस़ार।

জৈন : মোৰ ভনীৰ নামো বিমলা।
जॅइन : मोर भनीर नामो बिमला।

মিচেচ চৌধুৰী : জলপান আৰম্ভ কৰক। এয়া
मिसेस सौधुरी : जलपान आरम्भ करक। एया
অসমীয়া জলপান। কোমল
अस़मिया जलपान। कोमल
চাউল, দৈ, গুড়, আৰু
साउल, दोइ, गुड़ आरु
কল। এয়া তিল পিঠা।
कल। एया तिल पिठा।
এম্পবোৰ নাৰিকলৰ লাৰু।
एइबोर नारिकलर लारु।

জৈন : এৰা, এম্প জলপান বৰ
जॅइन : एरा, एइ जलपान बर

चौधुरी : ये मेरी पत्नी विमला चौधुरी हैं। यह मेरी बेटी बुली है। यह मेरा छोटा भाई रंजीत् है। यही मेरा छोटा-सा परिवार है।

जैन : मेरी बहन का नाम भी विमला है।

श्रीमती चौधुरी : जलपान शुरु कीजिए। यह असमीया जलपान है। (यह हमारा) 'कोमल चावल', दही, गुड़ और केला है। यह तिलगुझिया और अनरशा है। ये नारियल के लड्डू हैं।

जैन : अहा। यह जलपान तो बड़ा स्वादिष्ट है। दही भी बढ़िया है। दही मेरे बड़े भाई को बहुत प्रिय है।

সোৱাদ। দৈখিনিও বৰ
स़ोआद। दोइखिनिओ बर
ভাল। দৈ মোৰ
ককাম্পদেউৰ
भाल। दोइ मोर ककाइदेउर
বৰ প্ৰিয়।
बर प्रिय।

মিচেচ চৌধুৰী : দৈ আমাৰো বৰ প্ৰিয়।
मिसेस चौधुरी : दोइ आमारो बर प्रिय।

জৈন : চাহখিনিও বেচ কঢ়া।
जॅइन : साह खिनिओ बेस कढ़ा।
এনে চাহেম্প মোৰ
পচন্দ।
एने साहेइ मोर पसन्द।

মিচেচ চৌধুৰী : ধন্যবাদ। এয়া তামোল।
मिसेस सौधुरी : धन्यबाद। एइया तामोल।

জৈন : ধন্যবাদ!
जॅइन : धन्यबाद!

श्रीमती चौधुरी : दही हम लोगों को भी बड़ा प्रिय है।

जैन : चाय भी बड़ी कड़क है। ऐसी ही चाय मुझे पसन्द है।

श्रीमती चौधुरी : धन्यवाद। लीजिए पान।

जैन : धन्यवाद!

শব্দাৰ্থ (शब्दार्थ)

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
ডাঙৰীয়া	दाङओरिया	महाशय
মম্প	मोइ	मैं
এম্প	एइ	इस (यह), वह (स्त्री)
গাঁৱৰ	गाँवर	गाँव का
কৃষি	कृसि़	कृषि

বিষয়া	विस़या	अधिकारी
আহক	आहक	आइए
ভিতৰলৈ	भितरलोइ	भीतर
চাহ	साह	चाय
মেজত	मेजत	मेज पर
এওঁ	एऑं	वे (आदर सूचक)
মোৰ	मोर	मेरा
পৰিবাৰ	परिबार	घरवाली, पत्नी
ছোৱালী	सोआली	लड़की (पुत्री)
সৰু	स़रु	छोटा
সংসাৰ	स़ंस़ार	परिवार
ভনী	भनी	बहन
জলপান	जलपान	जलपान
দৈ	दोइ	दही
কল	कल	केला
তিল-পিঠা	तिल-पिठा	तिल से बनायी हुई गुझिया
এম্পবোৰ	एइबोर	ये (सब)
নাৰিকলৰ লাৰু	नारिकलर लारु	नारियल के लड्डू
সোৱাদ	स़ोआद	स्वादिष्ट
ভাল	भाल	अच्छा
বেচ	बेस	बहुत
কঢ়া	कढ़ा	कड़क (कड़ी)
পচন্দ	पसन्द	पसंद

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण :

মম্প মাষ্টৰ। (পোষ্ট)
मोइ माष्टर। (पोस्ट)

→ মম্প পোষ্ট মাষ্টৰ। (স্পয়াৰ)
मोइ पोस्टमाष्टर। (इयार)

→ মম্প স্পয়াৰ পোষ্ট মাষ্টৰ।
मोइ इयार पोस्ट माष्टर।

1. মম্প বিষয়া (কৃষি, স্পয়াৰ)
मोइ बिस़या (कृसि़, इयार)
2. এওঁ পৰিবাৰ (মোৰ)
एओँ परिबार (मोर)
3. এম্পখন সংসাৰ (সৰু, মোৰ)
एइखन सं़सा़र (स़रु, मोर)
4. এম্পয়া জলপান (অসমীয়া, আমাৰ)
एइया जलपान (अस़मिया, आमार)
5. দৈ সোৱাদ (বৰ)
दोइ स़ोआद (बर)

II. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) মম্প সুকুমাৰ জৈন।
मोइ सुकुमार जॅइन।

→ মোৰ নাম সুকুমাৰ জৈন।
मोर नाम सुकुमार जॅइन।

1. মম্প মহেন্দ্র চৌধুৰী।
मोइ महेन्द्र सौधुरी।
2. মম্প বিমলা চৌধুৰী।

(ख) মোৰ পৰিবাৰ বিমলা চৌধুৰী।
मोर परिबार बिमला सौधुरी।

→ বিমলা চৌধুৰী মোৰ পৰিবাৰ।
बिमला सौधुरी मोर परिबार।

1. মোৰ ছোৱালী বুলি।
मोर सोआली बुलि।
2. মোৰ ভাম্প ৰঞিৎ।

मोइ बिमला सौधुरी।

3. মম্প বুলি।
मोइ बुलि।

4. মম্প ৰঞ্জিৎ চৌধুৰী।
मोइ रंजित् सौधुरी।

5. ভনী বিমলা চৌধুৰী।
भनी बिमला सौधुरी।

मोर भाई रंजित।

3. মোৰ সংসাৰ এম্পখনেম্প।
मोर संसार एइखनेइ।

4. মোৰ ভনীৰ নাম বিমলা।
मोर भनीर नाम बिमला।

5. এম্পবোৰ লাৰু নাৰিকলৰ।
एइबोर लारु नारिकलर।

III. कोष्ठक में कुछ हिन्दी शब्द दिए हुए हैं। उनके समानार्थक असमिया शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण :

এওঁ মোৰ ________ বিমলা। (पत्नी)
एओँ मोर ________ बिमला।

→ এওঁ মোৰ পৰিবাৰ বিমলা।
एओँ मोर परिबार बिमला।

1. ম্প মোৰ সৰু _____ ৰঞ্জিৎ। (भाई)
इ मोर सॢरु ______ रंजित्।

2. মোৰ ভনীৰ ______ বিমলা। (नाम भी)
मोर भनीर _______ बिमला।

3. এম্প বোৰ ________ লাৰু। (नारियल के)
एइबोर _____________ लारु।

4. দৈ _________ বৰ প্ৰিয়। (मेरा)
दोइ __________ बर प्रिय।

5. এনে চাহেম্প মোৰ _________। (पसंद)
एने साहेइ मोर _________।

IV. रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूप लिखकर नया वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

কোমল চাউল ভাল জলপান।

कोमल साउल भाल जलपान।

তিল পিঠা
तिल पिठा

→ তিল পিঠা ভাল জলপান।
तिल पिठा भाल जलपान।

1. জলপান বৰ সোৱাদ।

जलपान बर सॊआद।

নাৰিকলৰ লাৰু
नारिकलर लारु

কোমল চাউল
कोमल साउल

ঘিলা পিঠা
घिला पिठा

তিল পিঠা
तिल पिठा

তামোল
तामोल

2. দৈ ককাম্পদেউৰ বৰ প্ৰিয়।

दोइ ककाइदेउर बर प्रिय।

মম্প
मोइ

আমি
आमि

সৰু ভাম্প
सॊरु भाई

মোৰ পৰিবাৰ
मोर परिबार

মোৰ ভনী
मोर भनी

3. এয়া তামোল, খাওক।
এया तामोल, खाओक।

জলপান
जलपान

চাহ
साह

দৈ
दोइ

কোমল চাউল
कोमल साउल

নাৰিকলৰ লাৰু
नारिकलर लारु

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

এম্প পোষ্ট মাষ্টৰ মম্প গাঁৱৰ
एइ पोष्ट माष्टर मोइ गाँवर

⟶ মম্প এম্প গাঁৱৰ পোষ্ট মাষ্টৰ।
मोइ एइ गाँवर पोष्ट माष्टर।

1. নতুন মম্প বিষয়া কৃষি ম্পয়াৰ
নतुन मोइ बिस़या कृसि़ इयार

2. বিমলা এওঁ চৌধুৰী পৰিবাৰ মোৰ
बिमला एऔं सौधुरी परिबार मोर

3. মোৰ বুলি এম্প ছোৱালী
मोर बुलि एइ सोआली

4. কঢ়া বেচ চাহখিনিও
कढ़ा बेस साहखिनिओ

5. ভাল বৰ দৈখিনিও
भाल ৰर दोइखिनिओ

पढ़िए और समझिए।

অসমীয়া জলপান (असमिया जलपान)

জৈন ডাঙৰীয়া, আপুনি ভিতৰলৈ আহক। চাহৰ মেজত বহক। আপুনি চাহ খাওক।
जॅइन दाङओरीया, आपुनि भितरलोइ आहक। साहर मेजत ৰहक। आपुनि साह खाओक।

তামোল, জলপান খাওক। বিমলা পোষ্ট অফিচলৈ যাওক। ৰঞ্জিতে কাম আৰম্ভ কৰক।
तामोल, जलपान खाओक। ৰिमला पोष्ट अफिसलोइ जाओक। रंजिते काम आरम्भ करक।

ককাম্পদেউ, জলপান খাওক। দৈ ৰঞ্জিতৰ বৰ প্ৰিয়। তিল পিঠা বুলিৰ বৰ পচন্দ।
ककाइदेउ, जलपान खाओक। दोइ रंजितर ৰर प्रिय। तिल पिठा बुलिर ৰर पसंद।

নাৰিকলৰ লাৰু ককাম্পদেউৰ বৰ প্ৰিয়। দৈ, গুড়, কোমল চাউল অসমীয়া জলপান।
नारिकलर लारु ककाइदेउर ৰर प्रिय। दोइ, गुड़, कोमल साउल अस़मिया जलपान।

অসমীয়া মানুহৰ চাহ বেচ কড়া। অসমৰ দৈ বৰ সোৱাদ। অসমৰ তামোলো বেচ কড়া।
अस़मिया मानुहर साह बेस कढ़ा। अस़मर दोइ ৰर सोआद। अस़मर तामोलो बेस कढ़ा।

नये शब्द

असमिया शब्द	उच्चारण	हिन्दी अर्थ
খাওক	खाओक	(आप) खाइए
লওক	लओक	(आप) लीजिए
যাওক	जाओक	(आप) जाइए
কৰক	करक	(आप) कीजिए

মানুহৰ मानुहर लोग का (मनुष्य का)

अभ्यास

I. रिक्त स्थान में सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए।

জৈন ডাঙৰীয়া, চাহৰ মেজত _____।

जॅइन दाङरीया, साहर मेजत _____।

বিমলা পোষ্ট অফিচলৈ _____ ।

बिमला पोष्ट अफिसलोइ _____।

দৈ ৰঙিতৰ _____ প্রিয়।

दोइ रंजितर _____ प्रिय।

কোমল চাউল _____ জলপান।

कोमल साउल _____ जलपान।

অসমৰ তামোল বেচ _____।

असमर तामोल बेस _____ ।

II. ऊपर दिए गए परिच्छेद में आए नये शब्दों को रेखांकित कीजिए।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

মোৰ নাম বিজয় মালহোত্রা। মোৰ ভনীৰ নাম গীতা। নাৰিকলৰ লাৰু গীতাৰ প্রিয়।

मोर नाम बिजय मालहोत्रा। मोर भनीर नाम गिता। नारिकलर लारु गितार प्रिय।

প্রদীপ মোৰ সৰু ভাম্প। তিলৰ পিঠা প্রদীপৰ বৰ পচন্দ।

प्रदिप मोर सरु भाइ। तिलर पिठा प्रदिपर बर पसंद।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

मैं रामपुर में ग्राम-सेवक हूँ। यह मेरा छोटा भाई है। यह फुटबाल का खिलाड़ी है। यह मेरी बेटी रीता है। इसे रस-मलाई पसंद है।

टिप्पणियाँ

1. आपूनि (आपुनि) : असमिया भाषा में मध्यम पुरुष के तीन रूप होते हैं। अपरिचित एवं सम्मानित लोगोंको 'आपुनि' कहते हैं। यह हिन्दी के 'आप' का प्रतिरूप है। 'आपुनि' के साथ आज्ञावाची क्रिया पद में व्यंजनांत शब्दों के साथ -অক (-अक) और अन्य स्थनों पर -ওক (-ओक) प्रत्यय लगता है। जैसे -

আহ	+	-অক	>	আহক	आइए
কৰ	+	-অক	>	কৰক	कीजिए
খা	+	-ওক	>	খাওক	खाइए
যা	+	-ওক	>	যাওক	जाइए

2. संबंध विभक्ति : संबंध पद बनाने के लिए असमिया में दो विभक्तियोंका प्रयोग किया जाता है। व्यंजनांत शब्दों के साथ -অৰ (-अर) और स्वरांत शब्दों के साथ -ৰ (-र) जोड़ा जाता है। जैसे --

চাহ	+	-অৰ	>	চাহৰ	साह	+	-अर	>	साहर
নাৰিকল	+	-অৰ	>	নাৰিকলৰ	नारिकल	+	-अर	>	नारिकलर
গাওঁ	+	-ৰ	>	গাঁৱৰ	गाऔँ	+	-र	>	गाँओंर
ভনী	+	-ৰ	>	ভনীৰ	भनी	+	-र	>	भनीर

लेकिन पुरुष वाचक सर्वनामों के साथ इस प्रत्यय को जोड़ते समय सर्वनाम शब्दोंका रूप बदल जाता है। जैसे --

মই	+	-ৰ	>	মোৰ	मइ	+	-र	>	मोर
আপুনি	+	-ৰ	>	আপোনাৰ	आपुनि	+	-र	>	आपोनार

3. अधिकरण विभक्ति : अधिकरण कारक के लिए व्यंजनांत शब्दों के साथ -অত (-अत) और स्वरांत शब्दों के साथ -ত (-त) जोड़ा जाता है। जैसे --

মেজ	+	-অত	>	মেজত	मेज	+	-अत	>	मेजत
ভিতৰ	+	-অত	>	ভিতৰত	भितर	+	-अत	>	भितरत

চাহখিনি+ -ত > চাহখিনিত সাহখিনি + -ত > সাহখিনিত

4. এওঁ (एओं) : असमिया भाषा में अन्य पुरुष में भी तीन प्रकार होते हैं -- सम्मानित, समान और कनिष्ठ। बराबरी के व्यक्ति को এওঁ (एओं) कहते हैं। এওঁ पुरुष, स्त्री दोनों के लिए प्रयोग किया जाता है।

5. ষ্প (इ), এষ্প (एइ) : असमिया भाषा में अन्य पुरुष कनिष्ठ व्यक्तियों के लिए -ষ্প (-इ) और

-এষ্প (-एइ) का प्रयोग किया जाता है। ষ্প (इ) पुरुष वाचक और এষ্প (एइ) स्त्री वाचक है।

6. बहुवचन विभक्ति : असमिया में बहुवचन बनाने के लिए अनेक विभक्तियों का प्रयोग होता है इस में से अधिक प्रयोग में आनेवाली विभक्ति होती है -বোৰ (-बोर)।

লাৰু + -বোৰ > লাৰুবোৰ লারु + -बोर > लारुबोर

পিঠা + -বোৰ > পিঠাবোৰ पिठा + -बोर > पिठाबोर

মেজ + -বোৰ > মেজবোৰ मेज + -बोर > मेजबोर

7. বাক্যৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में क्रियाहीन वाक्यों का प्रयोग किया गया है। संज्ञा के साथ दूसरी संज्ञा जोड़कर असमिया में वाक्य बनाना संभव है जबकि हिंदी में ऐसे वाक्यों में 'होना' क्रिया का प्रयोग करना ज़रुरी है। विद्यार्थियों को इस बात को ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा इसी पाठ में आज्ञावाची क्रियारूप का भी प्रयोग सिखाया गया है। लकिन इसका प्रयोग मध्यम पुरुष (आदरार्थ) में ही सीमित रखा गया है।

8. কোমল চাউল (कोमल साउल) : एक तरह का चावल। यह पानी में रखने से पक जाता है और दूध, दही के साथ खाया जाता है।

9. তামোল (तामोल) का व्यवहार : असमिया समाज में তামোল (तामोल) का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। अतिथियों को चाय जलपान के बाद पान का पत्ता और चूने के साथ कच्ची सुपारी दी जाती है। इसको 'तामोल' कहते हैं। शादी जैसे सामाजिक अवसर में निमंत्रण देने के लिए या ज्येष्ठ व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए 'तामोल पान' का व्यवहार किया जाता है।